

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उज्ज्वला  
दिनांक ३.१०.२०१९ पृष्ठ सं ६ कॉलम १-६

# स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती समय की मांग : डीसी

एचएयूने 150 एकड़ में देश के पहले जैविक उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की, पलम की काला अमृतसरी किस्म का किया पौधरोपण

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा एसपी शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए।

डीसी अशोक कुमार मीणा ने कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टीसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं, जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन केमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ में अपनी तरह के देश के पहले जैविक उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की है। कुलपति



केले के बाग का निरीक्षण करते डीसी, एसपी और कुलपति व अन्य। - अमर उज्ज्वला



पौधरोपण करते मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा। - अमर उज्ज्वला

## तीन साल के अंदर फल देने वाली किस्म है पलम

कुलपति प्रौ. केपी सिंह ने बताया कि जैविक बाग में पलम की काला अमृतसरी किस्म का पौधरोपण किया गया है। यह कम फैलाव, जल्दी बढ़ने वाली तथा तीन साल के अंदर फल देने वाली किस्म है। लोगों को धारणा है कि हिसार में केले नहीं उत्पन्न हो सकते। इसके विपरित विश्वविद्यालय में केले की जी-९ (ग्रैड नेने) की किस्म लगाई गई है, जिसने छह महीने में ही फल देने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय इन फलों को आम लोगों को एचएयूमार्ट के माध्यम से उपलब्ध करवाएगा। दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र के लिए बिजली की उपलब्धता सोलर पैनल के माध्यम से की जाएगी।

प्रौ. केपी सिंह ने बताया कि पेस्टीसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ में मनव्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृदा व

जल दूषित हो रहा है, जिससे जानलेवा वीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। डीसी व एसपी ने दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र का दैरा किया तथा

## अमरुद की तीन किम्में लगाई

नियंत्रण अधिकारी डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरुद की तीन किम्मे बीएनआर (बीही), हिसार सफेद व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। बीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का बजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्वीट ओरेज की पांच किम्मे हैमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेसिया लगाई गई हैं। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है। अनार की चाकी किम्मे लगाई गई है, जिनमें भगवा, मृदुला, अरकता व गणेश 137 शामिल हैं। नीबू की दी किम्मे कांगजी कलाव व बारामासी लगाई गई हैं।

केले के बाग में लगे हुए फलों का पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, निरीक्षण किया। उन्होंने जीवामृत, रजिस्ट्रार, डीन, डायरेक्टर, संपदा घनजीवामृत व नीमास्त्र बनाने की विधि अधिकारी व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी फलदार पौधे लगाए।

# लोक संपर्क कार्यालय

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दीनदया भास्तुर  
 दिनांक..... ३.१०.२०१९ ..... पृष्ठ सं... १ ..... कॉलम..... २-५

## एचएयू में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में 150 एकड़ में जैविक खेती **महात्मा गांधी की 150वीं और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पौधरोपण किया**

भास्तुर न्यूज़ | हिसार

एचएयू स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एचएयू कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा एसपी शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टिसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाये जा रहे हैं।



हिसार | केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि तथा कुलपति प्रो. के.पी.सिंह।

**केले की जी-9 की किस्म लगाई, छह महीने में ही फल**

**देने शुरू :** कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि बाग में अमरुल्द की तीन किस्में बीएनआर (बीही), हिसार सफेद व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। बीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है।

**एक किलो वजनी अमरुल्द की लगाई किस्में :** नियंत्रण

अधिकारी डॉ. आरके झोरड ने बताया कि बाग में अमरुल्द की तीन किस्में बीएनआर (बीही), हिसार सफेद व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। बीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम... पंजाब कैसरी

दिनांक ३. १०. २०१९

पृष्ठ सं... ५

कॉलम... ।-६

**खेतीवाड़ी**

# 150 एकड़ में है विवि. का पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र

हिसार, २ अक्टूबर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

इसी खेती में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह को अध्यक्षता में शुभार्पित महात्मा गांधी की 150 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बाड़ादुर शास्त्री की जयती के उपलक्ष्य पर धरम सभी कानून अमृतसरी किस्म का पौधांचार्य किया गया। मुख्यालिंधि उपाध्यक्ष अशोक कुमार योग को जैविक खेती सम्पर्क की भागी है। आज के समय में पर्सीसाइट व कैमिकल फर्टीजाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खेतों पर्सीसाइट में भी ज़रूरीते तत्व पर आ जा रहे हैं जिनमें हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन कैमिकल्स के दुष्प्रभाव पर संबंधित कार्यालय के लिए विश्वविद्यालय के लगभग 150 एकड़ में जैविक उत्कृष्ट केन्द्र लगाया जा रहा है। इस लगाया जा रहा है ताकि वे रसायनिक खेतों से हटकर जैविक खेतों से जुड़े।



केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्यालिंधि, विश्वविद्यालय तथा कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

## रसायनिक खेती से हटकर जैविक खेती से जुड़ें : कुलपति

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहाया कि पर्सीसाइट व कैमिकल फर्टीजाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्सीसाइट व मूदा व जल दूषित हो रहा है, जिससे जलवाया और मारिया दिनादिन बढ़ती जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र लगाया 150 एकड़ में स्थापित किया है तथा इसमें अन्य फसलों के अलावा 20 एकड़ क्षेत्र में जैविक फलों दी खेती की जा रही है। इस लगाया जा रहा है के लिए खेती की लम्बा सिकारियों विकरित करके किसने तक पहुँचाना तथा उन्हें जापसक करना है ताकि वे रसायनिक खेतों से हटकर जैविक खेतों से जुड़े।

के देश में यहां जैविक उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना की है, जो अपने आप में जगहनीय उत्पलनिःश्वासी है।

**दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र  
में लगाए नई किस्म के पौधे**

कुलपति ने कहाया कि 20 एकड़ के जैविक बाग में आज धरम की काला अमृतसरी किस्म का पौधांसेपण किया गया है। यह छम फैलाव, जल्दी बढ़ने वाली तथा 3 साल के अन्दर फल देने वाली किस्म है। लोगों की वारता कि हिसार में कैसे नहीं उत्पन्न हो सकते के विरोध विश्वविद्यालय में केले दी जी-9 (डी.जी.नैरो) की किस्म लगाई गई है, जिसमें 6 महीने में ही फल देने शुरू कर दिये गए हैं। नियंत्रण अधिकारी डा. अ.प.के. दीरेह ने कहाया कि बाग में अमृतद वी 3 किस्म वी.एन.आर. (वी.एरी), हिसार लोहार दीनदयाल नुरखा लगाई गई है। वी.एन.आर. (वी.एरी) जल्दी बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का जड़न एवं फिले के कारीं ही जागा है। ड्राइल रीटी अरिज वी 5 किस्म वी.एम.लिन, वी.टी.टी.नटाल, एग व वेटेंसिया लगाई गई है। इनमें भगवा, नुरुल, अरकता व गोपेश 137 शामिल हैं। नींवी की 2 किस्म कागजी कल्प व कालामासी लगाई गई है।

## डी.सी. व एस.पी. ने किया निरीक्षण

मुख्यालिंधि जिता उपाध्यक्ष अशोक कुमार भीमा तथा विश्वविद्यालय पुलिस अधीक्षक शिवदत्त शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र का दौरा किया तथा केले के बाग में लगे हुए फलों का नियंत्रण किया।

# लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम **ईनिय जागरण**

दिनांक **३.१०.२०१९** पृष्ठ सं **१५** कॉलम **२-५**

सराहनीय

वर्तमान में जैविक खेती समय की मांग : अशोक कुमार मीणा

## हकूमि में पलम का जैविक बाग लगाया

जागरण संवाददाता, हिसार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीसी अशोक कुमार मीणा कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पैस्टिसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थ में



केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा कुलपति प्रो. केपी सिंह।

भी जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन कैमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ी और अपनी तरह का देश में पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना की है, जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है। इसके लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। जो न केवल आने वाली पीढ़ी को

### ये हैं बाग की स्थिति

- बाग में अमरुद की तीन किस्में वीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। वीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का बजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्टीट ओरेंज की पाच किस्में हेमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेसिया लगाई गई हैं।
- अनार की बार किस्में लगाई गई हैं जिनमें भगवा, मृदुला, अरकता व गणेश 137 शामिल हैं।
- नीबू की दो किस्में कामजी कला व बारामासी लगाई गई हैं।

जागरूक करने व जहर मुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है।

विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के जैविक बाग में विश्वविद्यालय द्वारा कम पानी में अधिक उत्पादन के लिए प्रयोग में लाई जा रही उप-सतही जल निकासी प्रणाली, स्वचालित सूक्ष्म सिंचाई, एचडीपीई तालाब की सराहना की।

## लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम निटप्राइव्ह ईमेल

दिनांक १.१०.२०१९ पृष्ठ सं ४ कॉलम १-५

## जैविक खेती समय की मांग : उपायुक्त

हिसार, 2 अक्टूबर (निस) : हरियाणा कृषि विभागीयत्व में विश्व दीनदाताल उपायमण्ड जैविक दलकूट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को अध्यक्षता देने के लिए लगातार विभिन्न फलतंत्रों के पौधे रोपित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्व विद्यालय के कुलपती प्रो. केपी सिंह वार्डी अध्यक्षता में राष्ट्रीय महानगम गांधी जी की 150 वीं वर्ष प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री जी की

दीनदयाल  
उपाध्याय जैविक  
उत्कृष्ट केन्द्र में  
पलम के जैविक  
बाग का  
पौधारोपण

जारी के उपरान्ध पर पत्रम की काला अमृतमी किम्बा के औषधिक व्याप का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उद्युक्त अशोक कुमार मौजा मुख्य अधिकारी तथा पुलिस अधिकारी विवरण शारीरिक



अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य आंतरिक डगामुक्ति अधीक्षक कुमार मोणा ने कहा कि आज जीविक स्रोतों समय की मांग है। आज के समय में पेट्रोलिन्झ व कैमिकल परिस्टाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पापे जा रहे हैं जिनसे हमारे स्वस्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन जैकिल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ और अपनी तरह का देश में हालता जीविक उत्पादन केन्द्र को स्थापना की है जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धियाँ हैं इसके लिए विश्वविद्यालय व्यापार का पात्र है जो न केवल

आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने व जाहर

मुक्त खाद्य पदार्थ उत्पादक करवाने के लिए प्रयत्नसंरक्षण है। विभिन्न अविधि पुनर्जल संधीकृत शिवायरण शर्मा ने ऐंटिक डल्फ़इन केन्द्र के जैविक ग्राम में विभिन्न जल द्वारा कम पानी में अविधि उत्पादन के लिए प्रयोग में लाई जा रही डग-स्टेस जल निकासी प्रणाली, स्वचालित सूख मिर्चाई, एचडीपीई तालाब और झील असर, सौर पारिंग प्रणाली आदि जैसे विभिन्न विकास परिविधियों की समरहना की। कुलपर्वी प्रो. केपी रिंग ने बताया कि गेस्टीसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर के दुष्यभाव से मृत्यु के स्वास्थ्य पर विभिन्न प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृता व जल दुषित हो रहा

है जिससे जनरेशन बोमारियन टिनोरिन अबही जा रही है। इसी को भवान में रखते हुये विधिवत्तात्याग में दीनदयालत उपराज्यकां और विक्रम उर्दूक केन्द्र संघाम 150 एकड़ में स्थापित किया है तथा इसमें अन्व फलस्तीन के अलावा 20 एकड़ लेट्र में जैविक फलों की खेती की जा रही है। इस सारे व्याप में ड्रिप प्रणाली से सिर्वेक्स की जा रही है। इस जैविक केन्द्र का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती की सभग विकारीरों विकासित करके किसानों तक पहुंचाना तथा उन्हें जागरूक करना है ताकि वे साथ्यानिक खेती से हक्कर जैविक खेती से जड़ें।

प्र० सिंह ने कहता है कि 20 एकड़ के पौधिक बाग में अलग पर्लम की कलतानी अमृतसंसी किस्म का पौधापौयन किया गया है। वह कह फैलता, जल्दी घोने बाती तथा तीन साल के अन्दर पर्ल देने वाली किस्म है। सोनों की धारणा कि हिसार में केवल नदी उत्तर तक हो ताहत के लियरिट विभिन्न इलाकों में केवल जो-७ (सैट नेन) की किस्म लागत मई है जिसने छः महीने में ही फल देने शुरू कर दिये हैं। उन्होंने बात कि विभिन्न इलाकों में इन फलों को आज लोगों के एचएचयूएस्ट वैश्वानिक विभाग से उत्पन्न करवायेगा। दीनदयाल उपाध्यक्ष जैविक उत्पकृष्ट केन्द्र के लिए

विजलेवी की उपालक्ष्मा स्त्रोतर पैनल के माध्यम से की जायेगी। नियंत्रण अधिकारी हाँ, आर. के. होरडने ने बताया कि वहाँ में अपराह्न की तीन किमी मीन-आर (बीही), हिसार स्टेट व दिल्ली सुखारा लगाई गई है। यीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके पश्च वह बदलन एक किलो के करीब हो जाता है। बाहील स्पॉट ओरेंज की पांच किमी हैंलिन, वेस्टिन, नटराल, पेरा व डेल्सिम्पा लगाई गई हैं। इनमें भी की मात्रा न के बढ़ावर है। अनार की बार किमी लगाई गई है जिनमें भगवा, मुदुला, अखलता व फोलेर 137 राशिल हैं। नीबू की दो किमी काशी करता व चारागढ़ी लगाई गई हैं। मुश्य अंतिम जिला उपायुक्त अशोक कुमार भीग तथा विशेष अंतिम पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने ऐनदायल उपायाय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र का दौरा किया तथा केतै के बाग में सभे हुये फलों का निरीक्षण किया। उन्होंने जीवायुक्त, धनजीवायुक्त व नीमायुक्त बनाने की विधि के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली।

इस अवसर पर विधिविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, डीन, डायरेक्टर, संपादा अधिकारी व अन्य अधिकारियों और कांस्यारियों ने भी जलनदार पौर लगाय।

## लोक संपर्क कार्यालय

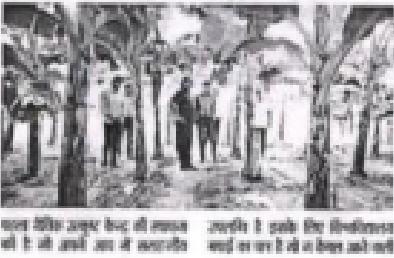
## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम... भित्ति प्रालंभ.

दिनांक...२.: १०: २०१९ पृष्ठ सं... ५ कॉलम... १-५

दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्पाद केन्द्र में पलम के जैविक बाग का पौधा रोपण

With our new, more efficient  
methods at the plant, we can  
reduce the paper loss by 20%  
and at the same time in the  
new system we will obtain  
a 20% reduction in the  
cost of production.



that at present such a case as  
one used would be the  
process by either white or  
yellow houses and it will  
take time but it will be  
done.

affection to you & hope to  
see you both again & con-  
versation may often distract  
you from the duties that you  
will have to do.

the date of their award and it  
should be added at the top left page.  
For the month name the  
President can put on his seal  
as required the names of various  
selected citizens selected like  
page four in the front of  
various organizations or  
individual persons chosen to be  
on the program and the date  
of the meeting.

ਮੈਂ ਤੀਨੀ ਦੀ ਵਿਖ੍ਯਾਤੀ  
ਕਰਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਸਤਰੀ  
ਵਿਗਿਆਨੀ

and the parts were now  
there to indicate what had been  
done at that time. However,  
the following year and the  
next the old one was in use  
and the new one was not used.  
In the third year of the  
old one, again, another one  
was built alongside of that  
and it was used until the  
new one was completed.

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम... दैनिक भास्कर, असर उपाला  
दिनांक १०.१०.२०१९ पृष्ठ सं ६, ५ कॉलम ५-५, ८

## एचएयूः इनोवेटिव आइडियाज के प्रोत्साहन के लिए होगा अभियान

'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा  
इनोवेशन अभियान का आयोजन

भारकर न्यूज | हिसार

से 15 अक्टूबर के दौरान इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। इस अभियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां होंगी।

एचएयू में स्थापित 'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा इनोवेशन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषण कर आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस 1 अक्टूबर

इस अभियान में हिसार जिले के अटल टिकिरिंग सेंटर के अंतर्गत आने वाले दो गांव गंगवा व नलवा के स्कूल के बच्चे भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान इन बच्चों को इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का भ्रमण भी करवाया जाएगा व विवि के भिन्न-भिन्न कॉलेजों में हुई इनोवेशंस से अवगत करवाया जाएगा। साथ-साथ एक प्रश्नोत्तरी रखी जाएगी, ताकि बच्चों की जिज्ञास्य का समाधान किया जा सके।

## एचएयू में 15 दिवसीय इनोवेशन अभियान शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित 'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा मंगलवार को इनोवेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित व पोषण करके आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है।

सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 15 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। अभियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

## लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम... नियशाली डाईट्स  
दिनांक... १०. १०. २०१९ पृष्ठ सं... ३ कॉलम... १-२

विश्वविद्यालय रत्न पर होगा  
इनोवेशन अभियान आयोजित

हिसार, 1 अक्टूबर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित 'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' की ओर से इनोवेशन अधियान का आयोजन किया जा रहा है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित व पोषण करके आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 1 से 15 अक्टूबर के दौरान होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। इस अधियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निवंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इस अभियान में हिसार जिले के अटल टिंकिंग सेंटर के अंतर्गत आने वाले दो गांव गंगवा व नलवा के स्कूल के बच्चे भी भाग लेंगे। इस दौरान इन बच्चों को इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का भ्रमण भी करवाया जाएगा व विश्वविद्यालय के भिन-भिन कॉलेजों में हुई इनोवेशंस से अवगत करवाया जाएगा। साथ-साथ एक प्रश्नोत्तरी रखी जाएगी ताकि बच्चों की जिज्ञास्य का समाधान किया जा सके।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दिनिक भास्तव्य  
दिनांक ३.१०.२०१९ पृष्ठ सं ३ कॉलम २

### एचएयू का होमसाइंस कॉलेज



हिसार | एचएयू के होमसाइंस कॉलेज में गांधी जयंती पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शपथ ग्रहण समारोह आर्मी विंग के कैडेट्स ने आयोजित किया। इस उपलक्ष्य में कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाणडा, एनसीसी प्रभारी डॉ. वीनु सांगवान एवं अन्य अध्यापकगण मौजूद रहे।